सीवस्ति ह थी (बो.एम 1-127

REGISTERED NO. D. (D.N.) 127

7/4/89



असाधारमा EXTRAORDINARY

सत्य II—क्या 4
PART II—Sec. 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सठ. 10] मई विस्ली, बुधवार, नवस्वर 2, 1988/कार्तिक 11, 1910 [NO. 10] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 2, 1988/KARTIKA 11, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ तंत्रया की **जाती है जि**ससे कि यह अलग संकालन को कप हों रक्ता का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रक्षा मंत्रालय

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 20 भक्तूबर, 1988

का. नि. श्रा. 11-ई.— केन्द्रीय सरकार, नौसेना ग्रधितियम, 1957 (1957 की 62) की घारा 134 की उपघारा (2) के साथ पठित, घारा 184 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नौसेना (अनुशासन और प्रकीर्ण उपबंध) वितियम, 1965 का और संशोधन करने के जिए निम्नलिखित विनियम बनाती है, प्रधीत:—

- (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम नौसेना (श्रनुशासन और प्रकीर्ण उपबंध)
 (संशोधन) विनियम, 1988 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. नौसेना (अनुशासन और प्रकीर्ण उपबंध) विनियम, 1965 के अब्याय 8 के विनियम 233 में, विद्यमान उपविनियम (2) के स्थान पर निस्तलिखित रखा जाएगा,प्रयात :--
- (2) धारा 134 की उपधारा (2) के प्रधीन कमान प्राफिसर अथवा साध्य का संक्षेप तैयार करने वाले आफिसर के समक्ष साक्षियों को समन करने के संबंध में विहित, आफिसर, प्रशासनिक प्राधिकारी या जज एडवोकेट होगा तथा उस उपधारा के प्रधीन जांच बोर्ड के समक्ष साक्षियों को समन करने के संबंध में विहित आफिसर, संयोजक प्राधिकारी या बोर्ड का ग्रध्यक्ष होगा।

(फाइल सं. एम एफ/एन एल/4619) पी. राय, संयुक्त मिनव (नोमेना)

टिप्पणी:--- मूल वितियम, भारत के राजपत्त, भाग 2, खंड 4, तारीखं 6-2-1965 के का ति. ग्रा.सं. 2(ग्र) के साथ प्रकाशित किए गए थे और उनके पश्चानवर्ती संशोधन निम्नलिखित रूप में किए गए थे:---

क सं	का.नि.भ्रा.	ना गैख	भारतका राजपत्र	— भाग 2, खण्ड 4
	मं.		ता रीख	पृष्ट
1.	15啊	2 2-5-67	2 2-5-67	17
2.	3 耳	27-3-68	30-3-68	5
3.	8 अ	8-7-68	8-7-68	13
4.	126	5-7-70	28-2-70	107, 108
5.	65	21-1-71	30-1-71	91
6.	414	1 4-8-7 1	28-8-71	817
7-	37	20-12-73	26-1-74	34
8	360	10-11-75	1 3-1 2-7 5	346
9.	199	10-9-73	1 5-6-7 4	133, 134
10,	2	23-12-78	6-1-79	2
11.	247	1-9-81	12-9-81	380, 384
12	163	22-4-83	4-6-83	243, 246
13.	85	24-4-85	11-5-85	173
14.	5	8-1-86	18-1-86	4

MINISTRY OF DEFENCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th October, 1988

SRO No. 11-E. In exercise of the powers conferred by section 184 read with sub-section (2) of section 134 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby makes the following rgulations further to amond the Navy (Disperipline and Miscellaneous Provisions) Regulations, 1965 namely:

- (i) These regulations may be called the Navy (Discipline and Miscellaneous Provision) (Amendment) Regulations, 1988.
 - (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In chapter VIII of the Navy (Discipline and Miscellaneous Provision) Regulations, 1965, in regulation 233, for the existing sub-regulation(2), the following shall be substituted namely:
 - "(2) The prescribed officers under sub-section (2) of section 134 relating to the summoning of witnesses before a Commanding Officer or the officer preparing a summary of evidence shall be the Administrative Authority of the Judge Advocate and the prescribed officers under that sub-section, relating to the summoning of the witnesses before a Board of Inquiry, shall be the convening authority or the President of the Board",

[File No. MF/NL/4619] P.Ray, Jt. Secy (Navy)

Note: The Principal Regulations were published with SRO No. 2(E) in the Gazette of India Part II, Section 4 dated 6-2-1965 and subsequently amended as follows:

Sl. No.	SRO No.	Date	Gazette of India Part II Section 4		
140.			Date	Page	
1.	15E	22-05-67	22-05-67	17	
2.	3 E	27-03-68	30-03-68	5	
3,	8E	08-07-68	08-07-68	13	
4.	126	05-01-70	28-02-71	107, 108	
5.	65	21-01-71	30-01-71	91	
6.	314	14-08-71	28-08-71	817	
7,	37	20-12-7 3	26-01-74	34	
8.	360	10-11-75	13-12-75	346	
9.	199	10-09-73	15-06-74	133, 134	
10.	2	23-12-78	06-01-79	2	
11.	24 7	01-09-81	12-09-81	380-384	
12.	163	22-04-83	04-06-83	243, 246	
13,	85	24-04-85	11-05-85	173	
14.	5	08-01-86	18-01-86	4	

Printed by the Manager, Crovt. of India Press, Ring Road, New Delhi-110064 and published by the Controller of Publications. Delhi-110054, 1988